

26 ग्लोबल कंपनियां यूपी में जीसीसी में करेंगी निवेश, 22 हजार को रोजगार 3936 करोड़ रुपये निवेश की उम्मीद, 2000 से अधिक कंपनियां संपर्क में

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के कई हब विकसित करने की तैयारी है। औद्योगिक विकास विभाग ने 2000 से अधिक कंपनियों से संपर्क चुना है। इनमें निवेश के लिए 26 कंपनियां चुनी गई हैं। इनसे 3936 करोड़ के निवेश व 22 हजार रोजगार के की उम्मीद है। विभाग जमीन, कार्यालय विश्वविद्यालयों व निजी क्षेत्र के सहयोग से प्रतिभा ढांचा विकसित कर रहा है। वहीं, 25 विश्वविद्यालयों से एमओयू कर पूर्व छात्रों के डाटा से टैलेंट पूल बनेगा।

चार प्रस्ताव अंतिम चरण में : अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, ऑप्टम और बार्कलेज एंकर जीसीसी हैं। एलजी, अमेरिप्राइज, एओएन, मेटलाइफ और टेबल स्पेस से बातचीत चल रही है। एडोबी, फिसर्व

25 विश्वविद्यालयों से एमओयू कर पूर्व छात्रों के डाटा से बनेगा टैलेंट पूल

नोएडा में विस्तार की तैयारी

नोएडा में 169 जीसीसी संचालित हैं। यहां 12 विकल्पों में 24.6 मिलियन वर्ग फुट ग्रेड-ए स्पेस मैप किया गया है। 26.9 लाख वर्ग फुट तत्काल उपलब्ध है। किराया 65 से 85 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रतिमाह है। सेक्टर-127 में 57 फीसदी जगह है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 167 एकड़ जमीन जीसीसी के लिए तैयार है। इसमें नोएडा के वाणिज्यिक भूखंडों की 37.4, ग्रेटर नोएडा की 77 और 52.8 एकड़ जमीन शामिल है। 10.1 लाख वर्ग फुट तैयार किराये की जगह चिह्नित है।

और ईएक्सएल समेत 150 जीसीसी कंपनियां संभावित लक्ष्य समूह में हैं। 1710 करोड़ के निवेश वाले चार प्रस्तावों को उच्चस्तरीय समिति की मंजूरी मिल चुकी है। ये कैबिनेट अनुमोदन अथवा लेटर ऑफ कम्फर्ट चरण में हैं। 14 मामले डीपीआर स्तर पर हैं, जिनमें 1223 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर



प्रदेश की मेधा को रोकने और बाहर से प्रतिभा लाने में मील का

पत्थर साबित होंगे।

-नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास मंत्री

पंजाब नैश

पंजाब नेशनल बैंक ऑथॉरिटी (एनबीसी) की नियुक्ति के लिए Tenders/Empanelment आवेदन केवल उत्तर प्रदेश है। बोलियां (तकनीकी और मीटर दो अलग-अलग सी-1, भवन, तीसरी मंजिल, सी-1,